चावल मूल्य श्रृंखला: कृषि आय में वृद्धि एवं उद्यमिता विकास का महत्वपूर्ण उपाय

डॉ. लिपि दास, डॉ.सुमंत कुमार मिश्र, डॉ.एस.एस.सी.पटनायक एवं डॉ.टी.महापात्र

कृषि आय में वृद्धि तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपायों में से एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में कृषि एवं इसके संबंद्ध क्षेत्रों में मूल्य श्रंखला की संभावनाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ.त्रिलोचन महापात्र ने राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक के निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान चावल में इस अभिकल्पना को रूपांतरित करने का प्रथम प्रयास किया। उनके अनुसार, चावल मूल्य श्रंखला के मौलिक लाभों के अतिरिक्त कुछ अन्य संभावनाएँ भी हैं जैसे - क) वित्तीय लाभ और अधिक मात्रा में बाजार में उपलब्धता के बावजूद विभिन्न सामाजिक-आर्थिक तथा सांस्कृतिक कारणों से कृषि उत्पादन में चावल का वर्चस्व बना रहेगा, ख) राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुणवत्ता चावल की मांग बनी रहेगी, ग) किसानों के अतिरिक्त अन्य हितधारक भी इस श्रंखला में जुड़ेगें जिससे अतिरिक्त रोजगार का सृजन हो सकेगा तथा घ) अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित गुणवत्ता एवं विशिष्ट चावल किस्मों का शीघ्र प्रसार-प्रचार संभव होगा। इन बातों को ध्यान में रखकर इस प्रारूप का कार्यान्वयन किया गया। चावल मूल्य श्रंखला का उद्देश्य संस्थान की उच्च गुणवत्ता वाली चावल किस्मों को बड़े पैमाने पर आस-पास के भूखंडों में खेती करने के लिए बढ़ावा देना, इसके प्रसंस्करण एवं व्यापार को आरंभ करना है ताकि उपभोक्ताओं को इसकी उच्च गुणवत्ता वाले चावल तक आसानी से पहुँच हो तथा मूल्य श्रंखला में शामिल सभी पक्षों को लाभ मिल सके।

चावल मूल्य श्रंखला के प्रारूप का कार्यान्वयन:

लक्ष्यों, हितधारकों, कार्यकलापों एवं संबंधित पक्षों की जिम्मेदारियां तय करने तथा लाभों के वितरण पर विचार-विमर्श एवं निर्णय करने के लिए कई लक्ष्यपरक सत्र आयोजित किए गए। अंतिम रूप से, राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक समेत पांच पक्षों की आवश्यकताओं को केंद्र में रखते हुए एक सार्वजनिक-निजी-भागीदारी मॉडल पर आधारित एक श्रंखला की शुरूआत हुई।

प्रथम पक्ष अर्थात एनआरआरआई, कटक ने चावल प्रोसेसर एवं व्यापारी के साथ परामर्श करके लंबे एवं पतले दाने वाली सुगंधित चावल किस्म गीतांजलि को चावल मूल्य श्रंखला में शामिल करने का निर्णय लिया। चूंकि संस्थान ने इस किस्म को विकसित किया है तथा इसकी विशेषताओं के बारे में परिचित है, अतः इस गुणवता चावल के उत्पादन एवं रख-रखाव कार्य में शामिल है। यह संस्थान गीतांजलि किस्म के प्रजनक बीज एक बीज कंपनी को फाउंडेशन बीज के उत्पादन के लिए उपलब्ध कराता रहा है जिसका उपयोग इस श्रंखला के प्रतिभागी किसानों द्वारा किया जा रहा है। अन्य एक हितधारकों का समूह जैसे ग्रामीण क्षेत्रों के किसान एवं महिला किसान संघ इसमें शामिल है जो चावल पारिस्थितिकी का सर्वेक्षण करता है, इस श्रंखला में शामिल होने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करता है, उत्पादन की निगरानी करती है तथा चावल प्रोसेसर-सह-व्यापारी द्वारा धान उत्पादन उठाने की व्यवस्था करता है। इस प्रक्रिया में अंतिम पक्ष चावल प्रोसेसर-सह-व्यापारी है जो उत्पादन स्थल से किसानों द्वारा उत्पादन को उठाता है तथा न्यूनतम समर्थित मूल्य से बेहतर मूल्य पर किसानों को तुरंत भुगतान करवाता है। चावल प्रोसेसर-सह-व्यापारी अंत में इसकी गुणवता को बनाए रखने की जिम्मेदारी लेता है तथा मूल्य निर्धारण सहित इस चावल किस्म के लिए एक बाजार मांग बनाने हेतु बाजार रणनीति तैयार करता है। प्रत्येक पक्ष की जिम्मेदारी एवं लाभांश निर्धारित किया गया तथा एक समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर द्वारा सहमति ली गई।

पाँच पक्षीय 'चावल मूल्य श्रृंखला' समझौते पर हस्ताक्षर

चावल मूल्य श्रंखला में पक्ष तथा उनकी जिम्मेदारियां

प्रथम पक्ष- भाकृअनुप-एनआरआरआई, कटक - गीतांजलि किस्म के प्रजनक बीज की आपूर्ति, तकनीकी प्रोत्साहन तथा समग्र रूप से निगरानी।

द्वितीय पक्ष- संसार एग्रोपाल प्राइवेट लिमिटेड, भुवनेश्वर - यह एक निजी बीज कंपनी है जो विश्वसनीय बीज का उत्पादन करती है तथा वांछित जगहों पर किसानों के समूहों को बीज की आपूर्ति करती है।

तृतीय पक्ष- अनन्या महिला विकास समिति, संकिलो, निश्चिंतकोइली, कटक - यह एक महिलाकिसान समूह है जो बड़ी संख्या में किसानों को अनाज उत्पादन करने के लिए एकजुट तथा प्रोत्साहित करता है।

अनन्या महिला विकास समिति द्वारा 'गीतांजलि' धान की बिक्री के लिए किसानों को भुगतान

किसान के घर से धान की खरीद

चावल मूल्य श्रृंखला के अंतर्गत 'गीतांजलि' चावल का प्रक्षेत्र परीक्षण

चतुर्थ पक्ष- माहांगा कृषक विकास मंच, कटक - यह एक किसान समूह है जो बड़ी संख्या में किसानों को अनाज उत्पादन करने के लिए एकजुट करता है तथा प्रोत्साहित करता है।

पंचम पक्ष- सावित्री इंडस्ट्रिज प्राइवेट लिमिटेड, मयूरभंज-यह एक चावल प्रोसेसर-सह-व्यापारी है जो किसानों के स्थलों से न्यूनतम समर्थित मूल्य से 20 प्रतिशत अधिक मूल्य पर धान खरीदता है तथा उनका प्रसंस्करण एवं वितरण करता है।

प्रथम प्रयास की उपलब्धियांः इस कार्यक्रम के अंतर्गत खरीफ, 2015 मौसम के दौरान, राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक द्वारा गीतांजलि किस्म के 6.5 क्विंटल प्रजनक बीज भुवनेश्वर स्थित निजी कंपनी संसार एग्रोपाल प्राइवेट लिमिटेड को विश्वसनीय बीज के पर्याप्त उत्पादन हेतु दिया गया। ओडिशा के चार विभिन्न स्थानों में कुल 49.5 एकड़ भूमि में बीज का उत्पादन कार्य किया गया। इस कंपनी द्वारा 2015-16 के रबी के दौरान चावल उत्पादन के लिए लगभग 1000 हेक्टर की भूमि के लिए लगभग 500 क्विंटल विश्वसनीय बीज का उत्पादन किया गया। एनआरआरआई के निगरानी दल ने बीज उत्पादन के विभिन्न स्थानों का दौरा किया तथा कंपनी को अधिक उपज के लिए उपयुक्त परामर्श दिया।

'गीतांजलि चावल किस्म की खेती की पद्धतियां' विषय पर ओडिया भाषा में एक पुस्तिका प्रकाशित करके किसानों तथा बीज उत्पादकों को संदर्भित ज्ञान हेतु वितरित किया गया। विश्वास निर्माण के लिए एनआरआरआई, कटक के वैज्ञानिकों तथा चावल मिल मालिक की भागीदारी से चयनित स्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। दो किसान समूहों (तृतीय एवं चतुर्थ पक्ष) के शामिल होने तथा उनके प्रोत्साहन से 2016 के रबी मौसम के दौरान कटक एवं खोर्दा के 82 किसानों द्वारा तीन क्लस्टरों में कुल 166 एकड़ में धान उत्पादन किया गया। फसल की औसत उपज 4-4.5 टन प्रति हेक्टर थी। बीज एवं घरेलू खपत के लिए रखने के बाद, किसानों ने 1740 रुपये प्रति क्विंटल के दर पर (अर्थात न्यूनतम समर्थन मूल्य से 20 प्रतिशत अधिक) 202 टन धान पंचम पक्ष अर्थात सावित्री इंडस्ट्रिज को बेचे जिसका कुल मूल्य 35.15 लाख रुपये है। समझौते के अनुसार, खरीद की तारीख से 10 दिनों के भीतर सभी किसानों को भुगतान कर दिया गया। अब पंचम पक्ष द्वारा प्रसंस्करण किया जा रहा है और इसकी पैकिंग की जा रही है।

(एनआरआरआई, कटक, ओडिशा)